dargaud presents

एस्ट्रिक्स और कड़ाहे का रहस्य

द्वारा : गोसिनी तथा उडरज़ो

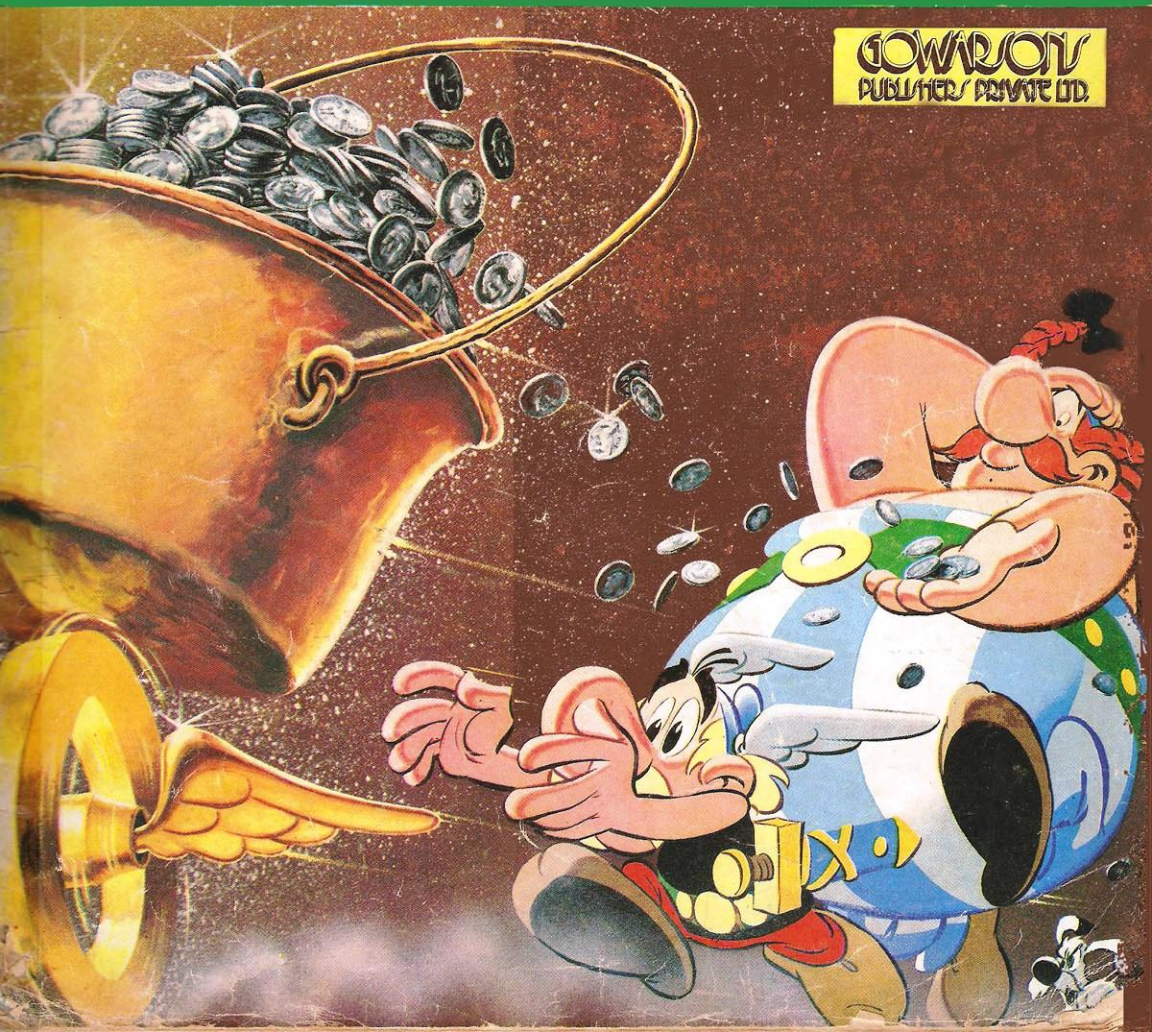

एस्ट्रिक्स और कड़ाहे का रहस्य

कथा : गोसिनी
चित्र : उडरज़ो

अनुवाद : एच० आई० पाशा
सुलेख : हरीश एम० सूदन

Price Rs. 5.00

GOWARSONS
PUBLISHERS PRIVATE LTD.
Gulab House, Mayapuri Industrial Area, New Delhi-110 064

© DARGAUD EDITEUR PARIS 1969 BY GOSCINNY & UDERZO

© FOR THE HINDI TRANSLATION GOWARSONS PUBLISHERS PRIVATE LIMITED 1982.

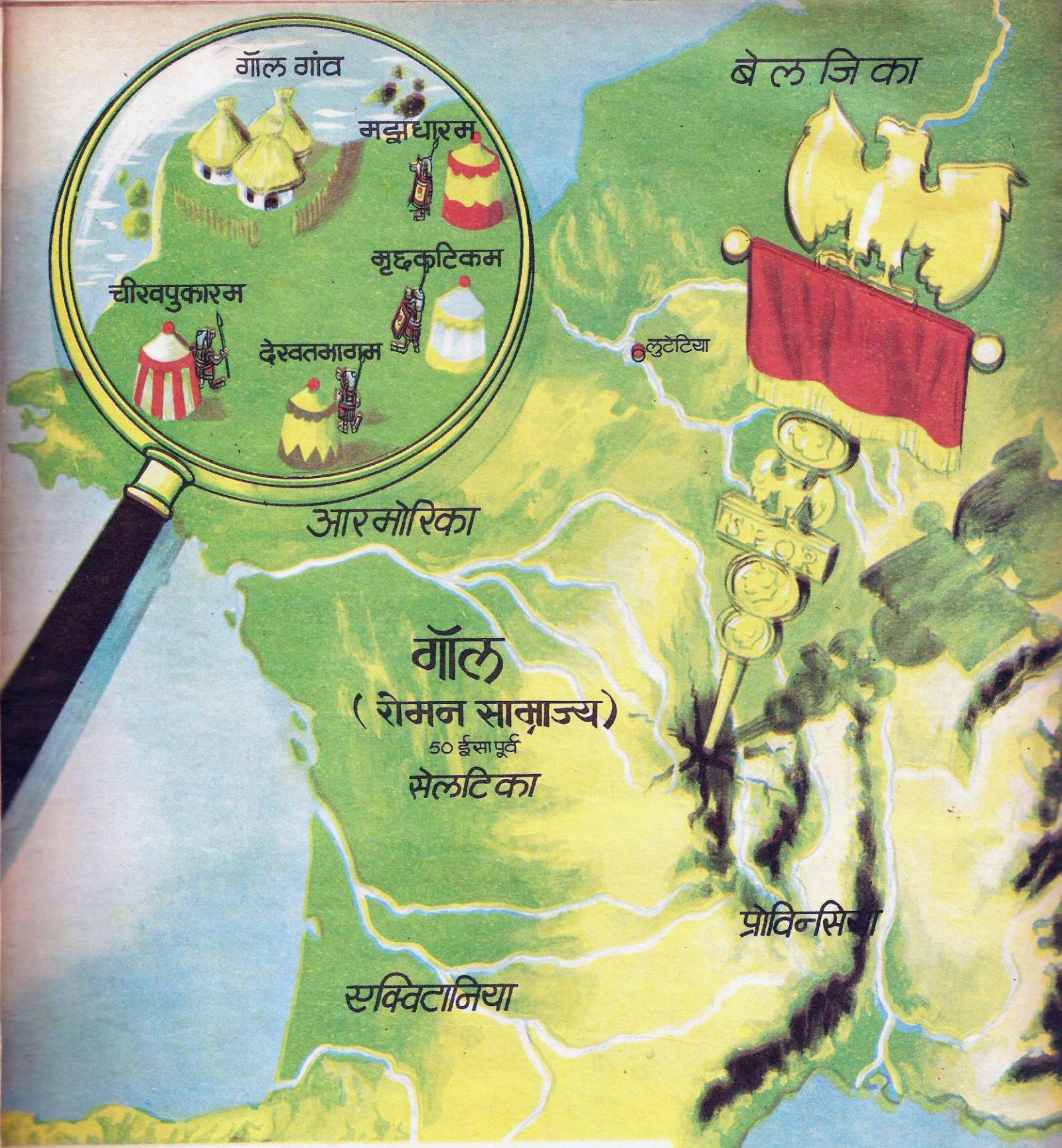

50 ईसा पूर्व का वर्ष..... गॉल की धरती पर पूरी तरह रोमनों का कब्जा हो चुका है! नहीं, पूरी तरह नहीं– एक छोटा सा गांव अब भी ऐसा है जिस पर रोमन शक्ति तो अधिकार नहीं जमा सकी अलबत्ता गांववालों ने उन रोमन सिपाहियों की नाक में रस्सी बांध रखी है जो गांव के चार करीबी छावनियों "मझधारम", "चीरवपुकारम", "मृद्धकटिकम", तथा

कुछ प्रमुख गॉल वासी

एस्ट्रिक्स! हमारी इस शौर्य कथा का नायक! एक चालाक और बड़ी दूर तक सोचनेवाला, छोटे कद का मगर बड़े दिल गुर्दे वाला लडाकू! गांव में आने वाली हर समस्या के समाधान का कार्य इसी को सौंपा जाता है! एस्ट्रिक्स अपनी अद्भुत शक्ति उस काढ़े से प्राप्त करता है जो हकीम वैद्यनाथिक्स बनाता है....

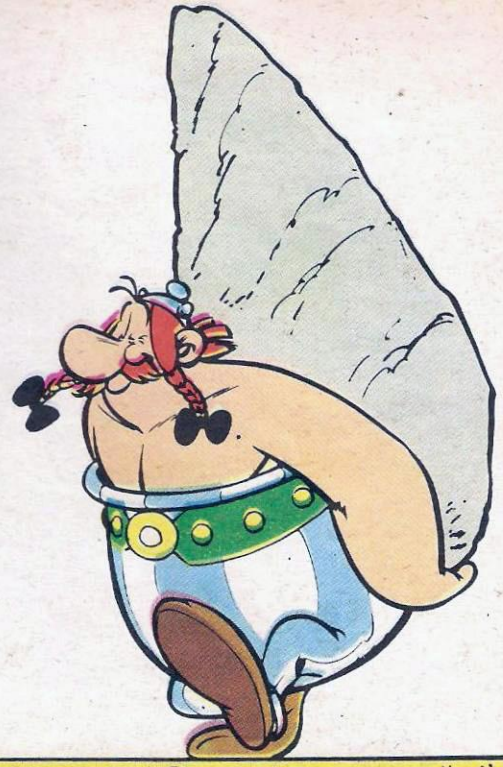

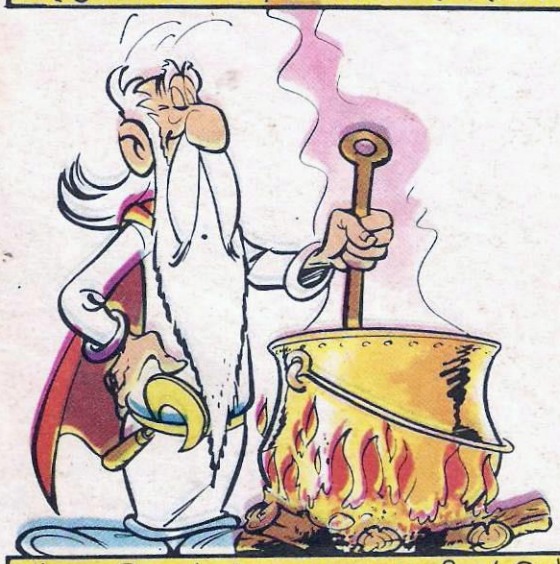

ओबेलिक्स! एस्ट्रिक्स का लंगोटिया यार - मेन्हिर बनाने का धंधा करता है और जंगली सूअर खाने का शौकीन है! जब भी एस्ट्रिक्स किसी नये अभियान पर निकलता है ओबेलिक्स अपने सारे धंधे छोड़कर उस के साथ चल पड़ता है - शर्त यही होती है कि खाने के लिए सूअर और सेहत बनाने के लिए मार पीट होती रहे...

वैद्यनाथिक्स! गांव का अद्भुत हकीम! विशेष तरह की जड़ी बूटियां इकट्ठा करता है और उन से जादुई काढ़ा बनाता है - ऐसा काढ़ा जिसे पीते ही आदमी के शरीर में अद्भुत शक्ति आ जाती है! इसके अलावा भी उस के पास अनेक पकवानों के रहस्य हैं.....

बेसुरिक्स, गवैया! उस की संगीत प्रतिभा के बारे में दो विचार धाराएं पाई जाती हैं! स्वयं बेसुरिक्स के विचार में वह महान है! अन्य लोग उस का मुंह खुलते ही दांत पीस कर कानों में अंगुली रख लेते हैं! जब तक वह मुंह बंद रखता है सभी उसे पसंद करते हैं!

और - मोटू मलिक्स! गांव का मुखिया! आन बान और शान से भरपूर और गर्म मिजाज! उस के अपने उस की इज्जत करते हैं और दुश्मन डरते हैं! खुद मोटू मलिक्स को केवल एक डर सताता है - कल उस के सिर पर आसमान टूट गिरेगा! पर वह यह भी कहता है कि कल कभी नहीं आता!

हमारे चिरपरिचित गॉली गांव में उस दिन कुछ अजीब सी हलचल मची हुई थी-- और इसका कारण था- आने वाला एक खास मेहमान

मैंने कब कहा कि तुम बहुत अच्छे हो!

अगर तुमने गाया तो मुझ से बुरा कोई न होगा!

सावधान! मुखिया बेउसूलिक्स अपने आदमियों के साथ आ रहा है!!

फौरन एक बैठक बुलायी गयी....

यह बेउसूलिक्स है कौन?

पहाड़ी की चोटी पर स्थित एक गांव का मुखिया है वह! काफी खूंसट और झंझटू आदमी है... पैसे के लिए वह कुछ भी कर सकता है!!

... लेकिन आखिरकार है तो वह एक गॉली मुखिया--इसलिए हमें उससे पूरे आदर और सम्मान से मिलना है...!

जल्द ही....

लड़को, बदतमीजी न होने पाये!

मुखिया पधार रहे हैं!

कहो यारो कैसी कट रही है?

?!?!

आप पैदल आये हैं.. आप की ढाल कहां है?

ये रही मेरी ढाल, और मेरे प्यादे!

?

ढाल पर आपकी जगह कड़ाहा?

हां प्यारे! कड़ाहा रखने के बाद ढाल पर मेरे लिए जगह ही नहीं बची..!!

आपने अपना स्थान कड़ाहे को दिया? ऐसी क्या बात है इसमें..?

यह जगदी से भरा है.. इसी के लिए तो मैं तुम्हारी मदद चाहता हूं!

जूलियस सीज़र इस समय भयंकर आर्थिक संकट में है! अपने संकट से बचने के लिए वह हम पर टैक्स पर टैक्स चढ़ाये जा रहा है!!

जब सुना कि उसके आदमी हमारे यहां टैक्स वसूली के लिए आने वाले हैं तो मैं सारी जमा पूंजी इसके ड़ाहे में रखकर भागा.. क्या तुम भी टैक्स देते हो?

एक टैक्स मांगने वाला आया तो था, पर उस के बाद नहीं आया!

जिस तरह वह भागा था.. होहो!!

क्या मजा आया था! हकीम जी, याद है न..?

बस करो! होहोहोहो होहो!

उसके बाद से वह लौटा ही नहीं?

सवाल ही नहीं उठता जनाब!!

टैक्सवालों के आने की खबर जब मिली इस कड़ाहे में प्याज का सालन पक रहा था ... मैंने उसे उलटा और उसमें सारी नगदी भर दी!

और अब यह अमानत तुम्हें रखनी होगी! रोमन यहां आने की हिम्मत नहीं करेंगे!

इसे तो आप अपने यहां भी कहीं गाड़ सकते थे

अरे बड़े मियां, नगदी को अगर कुएं में रखो तो वहां से भी उसकी बू रोमनों की नाक तक पहुंच जायेगी!!

हम अमानत की रक्षा के लिए अपनी जान लड़ा देते हैं!

जानता हूं, मैं!

मगर मेरा ख्याल था कि रोमनों से आपकी गहरी छनती है इसीलिए आप उन्हें टैक्स भी देते रहते हैं!!

क्या?

मुझ जैसे देशभक्त के बारे में ऐसे विचार? मैं रोमनों के साथ व्यापार जरूर करता हूं!!

लेकिन मैं अपने गॉली ग्राहकों के मुकाबले में उन से दुगनी कीमत वसूल करता हूं!

अच्छी बात है!

बहुत अच्छी!

गॉली ग्राहकों को आप बराबर माल देते हैं? कहां जी! सभी कुछ तो रोमन खरीद लेते हैं!!

ठीक है जब तक टैक्सवाले चले न जायें आप अपना कड़ाहा यहीं छोड़ जाइये!

यह अमानत हमारे सब से भरोसे मंद जवान एस्ट्रिक्स के कब्जे में रहेगी!

इसे मैं अपने झोपड़े में रखने जा रहा हूं!

क्या बेवकूफी है! प्याज के बढ़िया सालन को फेंक कर उसमें नगदी भर दी!

लेकिन इस नगदी से तुम जितना सालन चाहो खरीद सकते हो!

सवाल यह है कि जब सालन पहले से ही कड़ाहे में था तो उसे फेंका ही क्यों?

मैं रात भर पहरा दूंगा!

आज उस सुरविया के स्वागत में दावत होगी.. औ क्रिक्स वहां न गया तो नाराज़ हो जायेगा...

जाओ, मौज करो दोस्त!

तुम्हारे खाने के लिए मैं कुछ लेता आऊंगा!

वुफ! वुफ!!

जल्द ही....

कसम से, काफी अच्छा खा लेते हो!

चपर! चप! चप! चपर!

खाने की बात से याद आया कि एस्ट्रिक्स बेचारा भूखा होगा!

लाओ, मैं उसे खाना दे आता हूं.. और उसे कुछ बताना भी है!

आपको मैं रोकूंगा नहीं.. दो आदमी जब मिलना चाहें, तो मैं रोकने वाला कौन हूं...!! चप चप ...

कौन है, रुक जा !!

मैं हूं प्यारे ! तुम्हारी सतर्कता ने मुझे यकीन दिला दिया है मेरा कड़ाहा सुरक्षित है !

यहां बैठ कर खाओ आराम से !!

यह तो मेरा कर्तव्य है !

मैं तुम्हें बताना चाहता था कि कुछ रोमनों ने हमें इधर आते हुए देखा था !

चपर ! चपर !

अपनी नगदी हमारी सुरक्षा में देने के बाद आपको बेफिक्र हो जाना चाहिये मैं खुद इसे आपके यहां पहुंचाऊंगा !

तुम्हारी बातें सुनकर मुझे काफी शान्ति मिली !

मैं जाता हूं, मेरी अमानत का ध्यान रखना !

अमानत की रक्षा, हमारा आत्मसम्मान है !

सब सो चुके थे... जाग रहा था तो ओबेलिक्स... जो अब भी अपना पेट भरने में लगा था....

अक्रर्र्र चमर ! चपक ! चपर !

ZZZZ !

या फिर पहरा देता हुआ एस्ट्रिक्स.....

पूरब से लाली आ रही है... अब मैं बन्दों को जगाने की तैयारी करूं!

आऽऽऽह! तड़का हो रहा है.. अब मैं थोड़ा आराम कर सकता हूं!!

?!?

कड़ाहा!!!

कड़ाहा खाली है!!

कड़ाहा खाली है.. चलो अच्छा हुआ.. मैं नाश्ते के लिए उसमें प्याज का सालन बनाऊंगा!!

पिछवाड़े सेंध मार कर कोई कड़ाहा ले गया!!

शांत हो! चोर शायद अभी यहीं कहीं हो!!

सब मिल कर ढूंढो उसे!

शुरू करता हूं!

लानत है ऐसी जिन्दगी पर!

अमानत खोनेका मतलब है हमारी इज्जत खो गई! अब हम बेउसूलिक्स को क्या कहेंगे?

इस में क्या है, उसका कड़ाहा वापस कर दो! नगदी बाद में अदा कर देंगे!!

खामोश! मोटा कहींका!!

ठम! धूम! ठाक!

तुमने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई! तुम जानते हो कि ऐसे अपराध की हमारे यहां कोई माफी नहीं!!

दुख से कहना पड़ता है कि तुम इस गांव में तभी लौट सकते हो जब कि यह खाली कड़ाहा नगदी से भर दो!

मैं लौटूंगा तो मेरे इस कड़ाहे के साथ, वरना कभी मुंह नहीं दिखाऊंगा!

अब जाओ, बरसाने देवता तुम्हारी मदद करेंगे!

तुम्हें इस जादुई काढ़े की ताकत का पता है! जब भी शक्ति की जरूरत पड़े इसे पी लिया करना!!

धन्यवाद, हकीम जी!

PONNN!

एस्ट्रिक्स कहां जा रहा है?

जाने दो उसे... हमें आशा है कि वह एक दिन वापस आयेगा!

तुम सब पागल हो? एस्ट्रिक्स मेरे और मौक्सिक्स के बिना भला कहीं जा सकता है.. उसे सलाह वगैरह कौन देगा..?

ठिक! ठाक! ठोक!

एस्ट्रिक्स, रुको.. मैं भी आ रहा हूं! - -

ओबेलिक्स, तुम लौट जाओ! मैं गांव से निकाल दिया गया हूं!!

तो समझो कि मैं भी निकाल दिया गया!!

ओबेलिक्स!

तुम क्या समझते थे कि मैं तुम्हें अकेला निकल जाने दूंगा? कभी नहीं!!

!

बूहूहूहूहू.. बूहूहूहू!!

बूहूहूहूहूहू!! बूहूहूहू!!!

हू ? ? ? आ ?

तुम साथ हो तो मैं जल्द ही कड़ाहा भर लूंगा!

इसे अगर मरना ही है तो प्याज के सालन से क्यों नहीं भर देते?

!

इसे भरने के लिए प्याज का सालन नहीं नगदी चाहिये! नगदी!!

तुम और तुम्हारी नगदी दोनों भाड़ में जाओ!!

तुम क्यों आये मेरे साथ??

मुझे माफ कर दो! मैं बहुत दुखी हूं...!!

गलती मेरी ही थी.. तुम जिस चीज से भी कहोगे मैं उसी से इस कड़ाहे को भर दूंगा!!

!

बूहूहूहूहूहू बूहूहूहूहू!!

हू ? ? ? आ ? ? ? ? ?

थोड़ी देर बाद..

चलो, देरवतभागम छावनी में चलकर पता करते हैं!!

सुरिवया बेड-सुलिक्य ने कुछ रोमनों की बात की थी.. शायद उन्होंने ही चुराया हो!

देरवतभागम छावनी का प्रवेश द्वार.....

रुको! कौन है?

धड़ाम!

सूचना कार्यालय किधर है?

यह तम्बू छावनी के सूबेदार का होना चाहिये!!

गॉली? तुम्हें अन्दर किस ने आने दिया??

कड़ाहा!

क्या कड़ाहा?

यह कड़ाहा! हमें इसे भरना है!!

भरना है? किस चीज से?

मैं ठीक-ठीक नहीं बता सकता, लेकिन एस्ट्रिक्स जानता है!

इसे नगदी से भरना है! हमारी नगदी!! क्या समझे? नगदी!! नगदी!!!

नगदी?

नगदी??

हमारा वेतन आ गया!?

सही समय पर आ गया!!

मेरा वेतन! मेरा वेतन!!

???
कमाल है, हमारा वेतन ये गॉलवासी क्यों देंगे?
हमें सिर्फ आमों से मतलब होना चाहिये पेड़ गिनने से नहीं!
छोटे कद वालों को आगे होना चाहिये!

इन्होंने लाईन क्यों बनाई? क्या लाईन से पिटना चाहते हैं??

चलो शुरू हो जाओ!
शुरू हो जाऊं?

पीछे वाले धक्का मत दो! धक्का मत दो!!
धूम!

ओबेलिक्स, ठहरो! हम यहां सिर्फ नगदी के लिए आये हैं!!
तो कहां है पैसा? अभी पहुंचा नहीं....??

हां नहीं पहुंचा! फौरन पहुंचाना शुरू करो!!

इसका मतलब अब हमें फौज में रहने के लिए फीस देनी होगी?
जब मैं भर्ती हुआ था तो बताया गया था कि हमें पैसा मिलेगा!!

खामोश रहो, खामोश रहो!
कसम शनि देवता की मैं कुछ नहीं दूंगा!!
यह तो बताओ कि आखिर हमें कितना पैसा देना पड़ेगा-- कुछ पता तो चले--!!
तुम लोग मुझे भी कुछ बोलने दो!
यह धांधली नहीं चलेगी!!

यह सरासर बेइमानी है!!
हमें दूसरी छावनियों के जवानों को भी सावधान करना चाहिये!!!
बगावत! विद्रोह!!

आओ, ओबेलिक्स, लगता है यहां पहले से ही दिवाला निकला हुआ है!

ये रोमन सचमुच पागल हैं!

घूसा

लात

ढिंबा

ठप

मुझे बताओ, उस कड़ाहे में था क्या?

नगदी!

नगदी?

रुको! मुझे भी मेरा हिस्सा दो!!

देखो एस्ट्रिक्स, एक नयी सराय!

चलो कुछ खायेंगे और थोड़ा आराम भी करेंगे!

ग़ाहक आ रहे हैं!

तबाह डाकुओं की सराय

जब से गॉलियों ने हमारे जहाज को रेत पर लाकर पटका है तब से ग़ाहकों के नाम पर सिर्फ उधार खाने वाले ही आते हैं....

बुज़ुर्गों ने कहा है कि "सब्र का फल मीठा होता है"

अपने बुज़ुर्गों की आड़ में आओ और ग़ाहकों का स्वागत करो!

मैं रसोई में जाता हूं.. यह ग़ाहक वापस नहीं जाने चाहियें!!

CUISINE

आइये, पधारिये, तशरीफ रखिये!

ग्राहकों से जो पैसा मिलेगा उसका हम क्या करेंगे?

गॉल... गॉल...

म·म·गॉल

उस से हम नया जहाज खरीदेंगे!

गॉल..! गॉल..!!

अच्छा तो यह डकैत लोग आजकल यहां हैं.. जरूर जगदी भी इन्होंने ही चुराई होगी..!!

क..क.. कैसी जगदी..?

गुलुप, गट गट!

घड़!

बचाओ!!

पूरी जगह की तलाशी लो!

ठीक है!

जब ये लोग समुद्र में थे तो ज्यादा तगड़े थे! पीटने में मजा आता था.. अब तो ये बेकार हो गये हैं...

रसोई में जाकर देखो!

बुम!!

धड़ाक!

नहीं! इस पतीले में कुछ नहीं.. सिर्फ सूअर के कबाब के लिए मसाला तैयार हो रहा है!!

न खाना मिला न नगदी मिली!
जिस सूअर के कबाब के लिए मसाला बन रहा था वह तो दिखा नहीं...
सूअर का कबाब नहीं बनता, बेवकूफ आदमी!
?!?
फिर मैं जाकर पूछता हूं कि मुझ से झूठ क्यों बोला...
अब ताव में आने से क्या फायदा?
और यहां कोई कोई पूछताछ के काबिल बचा भी नहीं था....
मैं पूछता हूं कि क्या हम लोगों की किस्मत में सिर्फ पिटना ही रह गया है..?
रसोई
13A
अगर हर जगह यही हाल होना है तो क्यों न वापस हम लोग समुद्र में चलें!
हम शायद जिन्दगी भर चोर को न ढूंढ सकें! हमें कुछ और सोचना होगा..!!
हमें मेहनत कर के नगदी कमानी होगी!
कमानी होगी? लेकिन हम ने पहले तो ऐसा कभी किया नहीं!
अब कुछ करना होगा.. ..पर क्या..?
मान लो कि हम पैसा लेकर अपनी बहादुरी की कहानियां सुनायें तो?
हमारी कहानियों में भला किसे दिलचस्पी होगी?
हम अपनी कहानियों के नाम रखेंगे 'ओबेलिक्स की अभियान कथा'
बकवास बंद करो!
13B

देखें हम क्या कर सकते हैं!

मैं मेनिहर बेच सकता हूं, कुत्तों को ट्रेनिंग दे सकता हूं, सूअर मार सकता हूं, खाना, पीना, नाचना, रोमनों को पीटना-----

टंग! टंग! टंग!

सड़क पर देखो!

तुमलोग कौन हो, पहलवान?

हमव्यापारी हैं! अपना माल कुण्डा टुम के बाजार में बेचने जा रहे हैं!!

बेच कर पैसा कमाते हो?

अजी कैसा पैसा? मंहगाई का यह हाल है कि बाल-बच्चों को दो रोटी मिल जायें तो बहुत हैं...!

चलो, चलो, सब कदम मिलाकर बढ़ते रहो! ...एक, दो, एक दो, एक...

हम इसी तरह कड़ाहा भर सकते हैं! बाजार में माल बेचकर!!

क्या सामान?

जंगल से हम सूअर पकड़ेंगे और बाजार में ले जाकर बेच देंगे!

इसी बात से याद आया कि मैंने खाना नहीं खाया...!

मैंने और मौकिक्स ने एक और सूअर पकड़ा!
बहुत अच्छा! कुल चौदह सूअर होगये..काफी हैं!!
गुन्ट

चलो, अब खाना शुरू करें!
नहीं! अगर हम खा लेंगे तो बेचेंगे क्या? वैसे इन्हें पकड़ते समय तुमने चुपके से कुछ सूअर खा लिये थे मैंने खुद देखा है...!!

अब चलते हैं!
मैंने जिन्हें खाया था वह बहुत छोटे थे!

इन मासूम जानवरों को इतनी दूर पैदल चलाने से तो अच्छा होगा कि हम इन्हें यहीं खा लें!
अपने पेट पर काबू रखो और चुपचाप बढ़ते चलो!
वुफ! वुफ!!

कुण्डा टुम का बाजार.....

हर बार रुके ईनाम
उधार दोगे..रिटायर्ड होने पर चुकता कर दूंगा!
सूअर अतिक्स
आज मेरे यहां बीस आदमियों की दावत है आधा सेर गोश्त दे दो!
ये गोलियां कितने दिन की ताजी हैं?
सिर्फ चार हफ्ते की!
ताजी गोलियां!

एस्ट्रिक्स, भूख लगी है!

हमें अपना माल बेचने के लिए कोई अच्छी जगह चाहिये!

अगर ये न बिकें, तब तो हम इन्हें खा सकते हैं न?

हम इन्हें बेचेंगे.. समझे?

ज़ूमारिक्स सूअर भण्डार

?!?

यह रही खाली जगह! इसी बाड़े में अपना माल भरना शुरू करें!!

सूअर, सूअर.. बढ़िया जवान सूअर!

काम आसान है! हम सिर्फ उसकी आवाज की नकल करेंगे.. और माल बिक जायेगा!

हुंह!

सूअर, सूअर.. बढ़िया जवान सूअर!!

सूअर, सूअर ... बढ़िया जवान सूअर!

!!!

सूअर.. सूअर. बढ़िया जवान सूअर!

?!

सूअर... बढ़िया जवान सूअर!

सूअर.. बढ़िया जवान सूअर....!

सूअर.. सूअर बढ़िया जवान सूअर!

वे लोग सूअर बेच रहे हैं या एक दूसरे का गला काट रहे हैं!

कहीं सचमुच ही गले न कट जायें!

सूअर... सूअर बढ़िया ज...

यह सूअर क्या भाव लगाये भाई?

?

किस भाव? अब क्या बताऊं, आप ही बता दीजिए कि किस भाव लेंगे??

हूं... पहले माल देखूं!

बहुत बड़े नहीं हैं!

देखा! मैंने पहले ही कहा था कि यह बहुत छोटे हैं!!

मुंह बंद रखो!

अपने साथी को बोलने दो! सचमुच तुम्हारा माल घटिया है... अब हमारा...

यह व्यापारी ठीक कहता है... उधर हैं... सूअर बढ़िया जवान सूअर!

हूं.. मैं तुम्हें पांच सिक्के दूंगा!!

पांच सिक्के में एक सूअर?

ऊर्र्र... नहीं, एक दर्जन मेरा मतलब है चौदह! इस से ज्यादा नहीं दे सकता!!

ठीक है!

पांच सिक्के में चौदह सूअर?

तुम अपने धंधे से मतलब रखो!

लिफाफे में डालने की जरूरत नहीं, मैं इन्हें ऐसे ही ले जाऊंगा!

वह सब ले गया....!

पांच सिक्के में चौदह!!

यह दिन दहाड़े लूट है! चौदह तगड़े, जवान सूअर सिर्फ पांच सिक्के में! मंडी का पैंदा फट जायेगा!!

नहीं, वे कोई खास, तगड़े व जवान नहीं थे! यही तो मैं एस्ट्रिक्स को बता रहा था!!

तुम्हीं बेच रहे हो पांच सिक्के में चौदह सूअर?

?!

तुमने देखा? मैं कहीं तुम्हारी पिटाई न कर दूं.....

?

खटक

काटो!

जब वह वापस आये तो कहना कि छप्पन सूअर मेरे लिए रखे!

छप्पन?

हां, सोचती हूं कि आज ही बेटी की शादी कर दूं!

धड़ाम

हुंह!

तुमने मुझे बरबाद कर दिया.. तुम्हारे कारण मुझे अपनी जमीन, जायदाद सब कुछ बेचनी पड़ेगी..!!

जो हो गया भूल जाओ... हमने अभी खाना नहीं खाया.. .. हमें अपना एक सूअर बेचोगे क्या...??

तुम चूंकि अपने ही धंधे में हो इसलिए सिर्फ पांच सिक्के में एक दूंगा!

हमने चौदह सूअर बेचे, उसके बाद अपने खाने के लिए एक सूअर खरीदा, और उसके बाद कुछ नहीं बचा.. क्यों?

ठीक है.. ... ठीक है!

मेरा ख्याल है हमारे अंदर व्यापार करने की योग्यता नहीं है! कड़ाहा पहले की तरह ही खाली है!!

?

ढांस-बांस, दाहिने मुड़!!

तालियां तालियां तालियां तालियां तालियां

सूझ गयी तरकीब, जानते हो हमारा कड़ाहा कौन भरेगा? औकिक्स!

?!

मैं इसे कुछ करतब सिखाऊं-गा और यह उन्हें लोगों को दिखा कर हमारे लिए पैसा कमायेगा!

आह!

देखो, औकिक्स, अच्छे बच्चे.. भीख मांगो!

और अब हाथों के बल इस तरह खड़े हो जाओ!

जमीन पर लुड़कनियां खाओ इस तरह!

?

हो हो हो... हा हा हो... हो हो हो... खी खी खी...

समय बर्बाद न करो, भौंकिक्स कुछ नहीं सीख सकता!

मेरा कुत्ता कुछ नहीं सीख सकता? देखो अभी बताता हूं!

भौंकिक्स, दो और दो कितने हुये?

वुफ! वुफ! वुफ...!

देखा तुमने?

इसी बीच पास ही....

पहलवानों का गोदाम

जो भी मेरे किसी पहलवान से लड़ेगा और जिन्दा बचेगा उसे एक शानदार इनाम मिलेगा!

आगे बढ़िये, दोस्तो! है कोई माई का लाल? मत डरिये, हमारे पहलवान काफी रहमदिल हैं.. आइये...

अब लगता है कड़ाहा भर जायेगा!

पर सवाल यह है कि पहले कौन जायेगा?

मैं लड़ूंगा!

वाह! आखिर एक गॉली सूरमा सामने आ ही गया.. जिसे सिर्फ यह डर है कि कहीं आसमान न टूट गिरे...

जियो मेरे प्यारे, अब यह बताओ कि इन में से किस से लड़ना पसंद करोगे...?

पहलवानों का गोदाम

सब से!

हो हो हो! यह गॉली लोग सचमुच अजीब होते हैं!!

देवियो और सज्जनो.. पहलवान नम्बर एक !

टटटटस !!

ही ही ही !

तड़ाक

ब..बबहुत अच्छा.. शाबाश! .. एक शानदार कलाकृति इनाम में..

जल्दी से दूसरे को बुलाओ, मुझे कड़ाहा भरना है!

टटटसूटाआ

प्रेंग्ग्ग

काश मैं भी अपने जुड़वा भाई की तरह डकैती के धंधे में लगा होता...

टटटसाआ

मजा नहीं आ रहा!

सही कहते हो!

चलो चलते हैं!

डिशूम!!

अमला!

बाकी के पहलवानो, जल्दी आओ, मुझे भी काम है..!
कोई पहलवान नहीं बचा!
तुमने मेरे सारे पहलवानों का कबाड़ा कर दिया! वे सब यह कहकर चले गये तुमसे लड़ने से बेहतर तो शेर से लड़ना है...!!
वह पुरानी कहावत है कि.. आ बैल मुझे मार.. और वह आज मुझ पर लागू हो गई!
ठीक है.. ठीक है.. यह बताओ कि मेरे इनाम कहां हैं?
!?
क्या? नगदी की जगह यह ईनाम??
रुको! मैं इनाम के बदले उससे कुछ सिक्के वसूलता हूं!!
मेरी दुकान बढ़ गयी! सारे पहलवान भाग गये!!
मुझे अपना पहल-वान बना लो, मुझे यह कड़ाहा मरना है!
अच्छा सुझाव है!
ठीक है! तुम जैसे पिद्दी पहलवान की पिटाई देखना शायद पब्लिक पसंद करे!!
जल्द ही....
जो भी इस मूंछ वाले पिद्दी पहलवान से लड़ने का कष्ट करेगा उसे एक शानदार इनाम!!
मैं!
मैं!
मैं पहले लड़ूंगा!
मैं ने पहले हाथ उठाया था!!
कृपया मुझे यह मौका दें!!!

कौन लड़ेगा पहले?

आदमी किस्मत वाला है, इनाम तो अब इसे ही मिलेगा!

अगला!

पट फ!!

अगले के बाद अगला..

तड़ाक!

और अगला!

एक के बाद एक.. एक के बाद एक...

अब कौन लड़ेगा?

अब किसकी बारी?

अगला!

धड़ाम

धूम

पटफ

आखिरकार....

खेल खत्म! अब मेरी मजदूरी लाओ!!

डिशूम

मजदूरी? तुम्हारे मोटे दोस्त ने मेरे पहलवानों की छुट्टी कर दी और तुमने मेरे दर्शकों की.. तुम दोनों ने मेरे धंधे की खटिया खड़ी कर दी..!

TOC! TOC! TOC! TOC!

मेरी कलाकृतियां वापस करो!

कौन सा मोटा दोस्त?

ओबेलिक्स, उसके खिलौने लौटा दो!!

यह क्या है...?

नये जमाने का थियेटर! रोमन लोग इन्हें जगह जगह बना रहे हैं!!

हजूर, बुरा न मानें तो मैं कहूंगा कि आप उल्लू हैं!

हजूर, मेरे अभिनय की तारीफ तो जूलियस सीजर ने की है!

मिस्र की रानी क्लोपैट्रा ने मेरे स्वागत में पार्टी दी थी!

रानी मेरे अभिनय से बहुत प्रभावित थी!

आप लोग अभिनय नहीं नौटंकी करते हैं! यह नया जमाना है! अब नाटक के नाम पर नौटंकी नहीं चलेगी..!!

हम जैसे खलीफा अभिनेताओं की बेइज्जती कर रहे हैं आप!!

भाई, इस से बात कर के अपना स्टैन्डर्ड मत गिराओ!

हम देखते हैं कि यह लड़का हमारे बगैर कैसे नाटक चला पाता है!

तुम्हें अपने नाटक में लेने से बेहतर मैं किसी बेवकूफ को लूंगा!

सुनो तुम दोनों! कभी तुम ने अभिनय किया है?

क्या, हम दोनों? नहीं!

एक्टिंग करोगे?

पैसा मिलेगा?

यह जानकर खुशी हुई कि तुम ने कभी अभिनय नहीं किया! तुम महान हो! जरूरत सिर्फ इस बात की है कि तुम कुछ कह सको!!

कहना तो यह है कि हमें यह कड़ाहा भरना है!

वाह, बहुत अच्छे! तुम्हारे यह शब्द नाटक जगत में तहलका मचा देंगे.. वाह वाह!!

?

?

यह हमारा थियेटर है और मेरा नाम नाट्यकीटाणुस है!

आधुनिक नाटकों में क्रान्ति पैदा करना मेरा उद्देश्य है! मैं चाहता कि नाटक ऐसा हो जो दर्शक को कुर्सी छोड़ कर खड़ा होने पर मजबूर कर दे!!

अब हम रिहर्सल शुरू करते हैं.. सब अपनी अपनी जगह लेलो!!

???

हमें मौज चाहिये!

रुको, एक मिनट! हमारा जकली दर्शक कहां है? देखस--आंखफोड़स को बुला ओ!!

मैं आ रहा हूं!

ठीक है! फिर शुरू करो!!

दावत, मस्ती...

तुम पार्टी कहना भूल गये..

दावत, पार्टी, मौज, मस्ती..

बन्द करो! तुम हमारा मजाक उड़ा रहे हो!!

बहुत अच्छे! तुम इस पर सड़े अण्डे भी फेंको तो वास्तविकता और निखर आयेगी!!

नहीं, ऐसा करना अश्लील होगा!

ठीक है- अब तुम चुपचाप स्टेज के उधर खड़े हो जाओ!

मोटे, मैं तुम को इशारा करूंगा!

इसका नाम ओबेलिक्स है!

किसका नाम ओबेलिक्स है?

.. जब मैं तुम्हें इशारा करूं तुम नाचते हुए स्टेज पर आओ और कुछ भी कह डालो!

कुछ भी..?

हां हां.. यह होगा हमारे नाटक का अंत! जो भी तुम्हारी समझ में आये कह डालना!!

पर अक्सर मेरी समझ में कुछ भी नहीं आता..?

आज हमें दर्शकों तक अपने नाटक के माध्यम से एक संदेश पहुंचाना है ..एक ऐसा संदेश जो उन्हें झिंझोड़ दे!

मैं क्या कहूंगा .. .. मेरी तो कुछ भी समझ में नहीं आ रहा!

कुछ भी कहो! सवाल तो यह है कि हमें अपना कड़ाहा भरना है!!

मगर खाली कड़ाहा दर्शकों को कोई संदेशा नहीं दे सकता...!

उस शाम.. थियेटर खचा-खच भरा हुआ था! सूबेदार, सिपहसलार, फौजदार, यानि शहर में जितनी भी ऊंची नाक वाले थे सभी मौजूद थे.....

सिपहसलार साहब, नाटक मजेदार लगता है!

हांजी, मुझे बड़ी मुश्किल से टिकट मिला!

सुना है नाटक में भिगो-भिगो कर जूता मारा गया है!!

नाटक शुरू हुआ...

हैंग डौंग!!

तुम सब बेहूदे हो! हम भी बेहूदे हैं.. पर तुम हम से ज्यादा बेहूदे हो!!

आटटटहो!

क्या भयंकर वास्तविकता है!

दावत, पार्टी, हमें मौज मस्ती चाहिये!!

बंद करो! तुम हम लोगों का मजाक उड़ा रहे हो!!

सच कहता है!

झूठ कहता है!

बाहर निकालो!

चिड़ियाघर भेजो इन्हें!

भगाओ!

उसने तुम्हें इशारा किया है! जल्दी जाओ!

मम्म.. मैं क्या कहूंगा?

कढ़ाहे का ख्याल करो!

कहो, कुछ भी कहो! जो भी तुम्हारी खोपड़ी में आये कह डालो!!
रोमन लोग पागल हैं!
क्या..?
बात हद से आगे जा रही है.. इन सब को गिरफ्तार कर लो..!
नाटक की प्रस्तुति शानदार है! -
मजा आ रहा है!
लेकिन बातों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जा रहा है... ऐसा होता नहीं!
यह आधुनिक नाटक है.. इसे समझने के लिए दिमाग चाहिये!
जल्दी आओ! हमें इनलफंड्रों में नहीं पड़ना!!
बाद में, जेल के बाहर....
कहो तो हम तुम्हें छुड़ा लें?
जरूरत नहीं, मुझे रोम भेजा जायेगा वहां शोर-चीते अखाड़े में मेरी दावत उड़ायेंगे! कसम से मजा आ जायेगा.. तुम जाओ..!!
मोटे, मेरी बात मानो तो तुम थियेटर को अपना लो! कसम से पैदाइशी कलाकार हो!
28B

अगले दिन मीडोनों उसी शहर में थे....
कड़ाहा ज्यों का त्यों खाली है!
हम कड़ाहे को बेच क्यों नहीं दें?
नहीं, हमें तो इसे भर कर ले जाना है!
मगर अब लगता है कि यह जिन्दगी भर खाली रहेगा और मैं वापस नहीं जा पाऊंगा!
निराशा मत हो एस्ट्रिक्स! देवता हमारी मदद करेंगे!!
?!?
आज मैं इतना खुश हूं कि किसी को दुखी नहीं देख सकता! मैंने यह रकम जीती है!!
DING! DING! DING!
DING! DING!
?!?!
29A
यह तो बताते जाओ कि कैसे जीती?
घुड़दौड़ में प्यारे...!
TING!
मेरे पास सिर्फ कुछ सिक्के थे! उन्हें मैंने एक रथ पर लगाया और जीत गया!!
घुड़दौड़ कहां होती है?
घोड़ोड्रोम में! मैं वहीं जा रहा हूं, और रकम जीतने!! पीछे-पीछे तुम भी आ जाओ!!!
देखा एस्ट्रिक्स, यही मैंने कहा था!
यही है घोड़ोड्रोम, जाओ प्यारे, अपनी किस्मत आजमाओ!
इन सिक्कों को दांव पर लगाना क्या सही होगा!?
हां, इन्हें हम दांव पर लगायेंगे और कड़ाहा भर लेंगे, आसान सी बात है!
29B

तुम जानते हो कि कैसे दांव लगाना है ओबेलिक्स?

प्यारो, मैं तुम्हारी मदद करूं क्या?

मेरा नाम है अति आत्मा-विश्ववासिक्स! मैं घुड़दौड़ का उस्ताद हूं!!

तुम्हारी सलाह से हमारा कड़ाहा भर सकता है क्या?

क्यों नहीं! खेल यूं होता है. घुड़दौड़ में अलग-अलग रंगों वाले रथ हिस्सा लेते हैं! तुम्हें किसी एक रथ पर दांव लगाना है!!

अगर तुम्हारा रथ सब से आगे आया तो तुम्हारी जीत होगी!!

?

अगर जीतना चाहते हो तो सब से कमजोर घोड़ों पर दांव लगाओ.. .. जरा करीब आओ मेरे!

?

तुम नीले रथ पर दांव लगाओ! मेरे चचेरे भाई ने भी उसी पर दांव लगाया है और वह कभी नहीं हारता!!

304

मुझे अपना पैसा दो, मैं तुम्हारी तरफ से दांव लगाऊंगा, जीतना तो आधा मुझे दे देना, बस!!

तुम्हें यकीन है कि वह नहीं हारेगा!?

नामुमकिन! तुम अन्दर जाओ और खेल खत्म होने पर मुझे मिलना!!

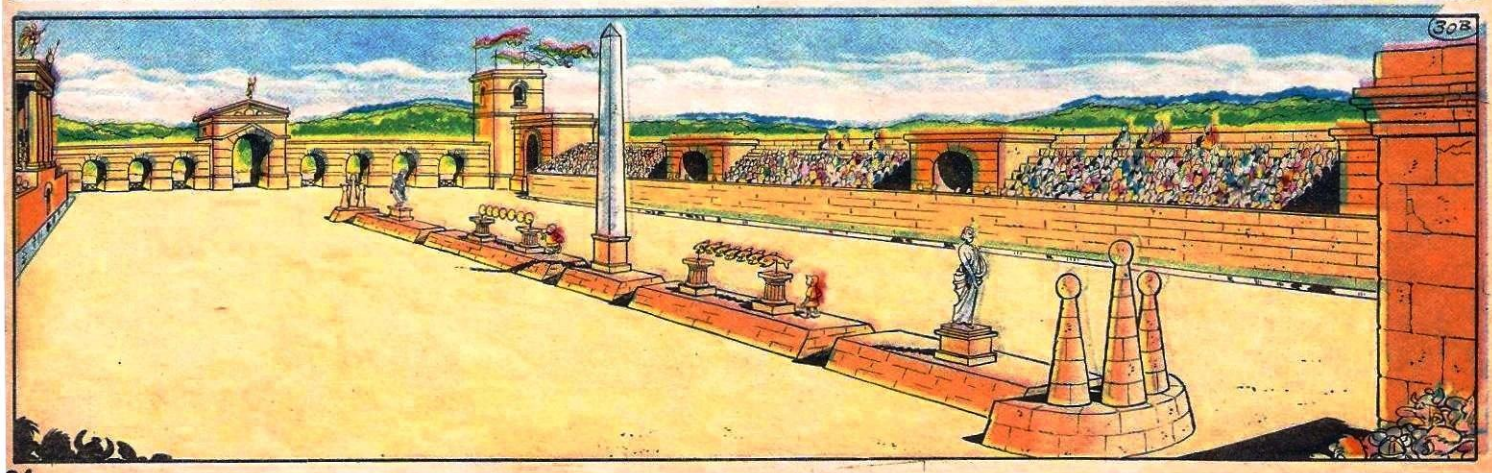

सफेद की जय!
नीले जीत कर आना!
लाल पहलवान शाबाश!

नीले राजा आ जाओ!

नीला नीला नीला!
बुफ!

नील...

सफेद! सफेद.... जीतेगा!

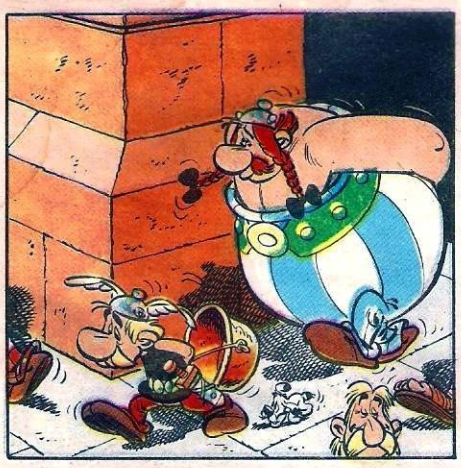

बदकिस्मती मार गयी, यारो! मगर अगली दौड़ मे हरे रथ का चालक है, वह मेरे मौसेरे भाई का चाचा है, और वह...
मेरे पास पैसे नही हैं! तुमने तो कहा था कि नीले वाले का हारना नामुमकिन है..!!

बात यह है कि मैं नामुमकिन का मतलब नही जानता!
!

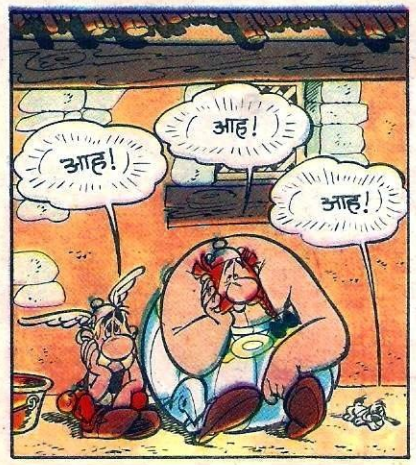
आह!
आह!
आह!

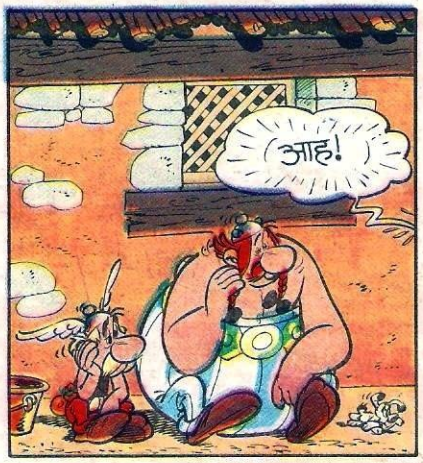
आह!

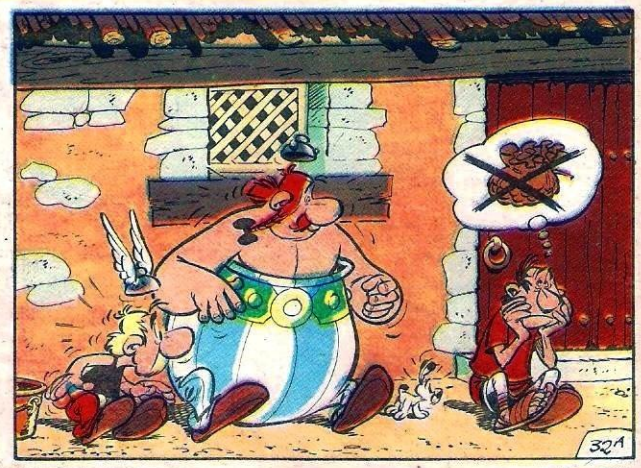

कुछ अधन्ने बचे रह गये हैं, चलो, इनसे कुछ खा ही लें!

जल्द ही.....
मेरी तो राय है कि आप दोनों सूअर खा डालिये! सूअर का बाजार बिलकुल मंदा है.. पांच सिक्के में दर्जन भर...

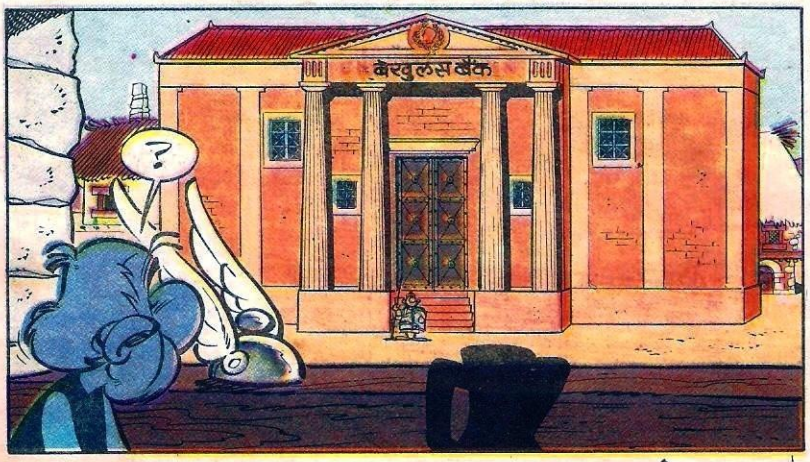
हरकुलस बैंक
?

यह मंदिर है क्या! पहलवान?
मंदिर ही समझो, यह बैंक है! रोमन लोग यहां सोना रखते हैं!!

समझे, हम क्या करने जा रहे हैं?
सूअर खायेंगे, और क्या?
नहीं, हम बैंक लूटेंगे! रोमन हमारा पैसा ले जाते हैं, इसलिए उसे उन से वापस लाना कोई जुर्म नहीं!!
मगर हम बैंक लूटेंगे कैसे?
मेरे पास एक योजना है.... होटल वाले!
CLAC!
तुम मुझे क्या एक ऐसा कमरा दे सकते हो जिसकी खिड़की बैंक की ओर हो?
बैंक की ओर...?
SCROTCH! SCROTCH!
ठीक है, ऐसा कोई कमरा जिसकी खिड़की समुद्र की ओर हो..?
क्या मजाक है? यहां समुद्र कहां से आ गया??
मगर बैंक तो है न?
समझ गया.... मेरे पीछे आओ!!
SCROUNTCH!
जल्द ही....
अब ठीक है! मैं बाजार जा रहा हूं, तुम इसी बीच बैंक के आसपास चहल-कदमी करते हुये यह पता लगाने की कोशिश करो कि पहरेदारों की ड्यूटी कब बदलती है और यह सोना कहां रखते हैं?
SCROTCH! SCROTCH!
SCROUNTCH! SCROUNTCH!
पहरेदारों की ड्यूटी के बारे में पता करूं? मगर कैसे??
अब यह मैं कैसे बताऊं? तुम तो बड़े अभिनेता माने जाने लगे हो.. जाओ और बेफिक्री से टहलो...!!
अरे हां! यह तो मैं भूल ही गया था कि मैं अभिनेता भी हूं!!
मुझ से सराय में ही आकर मिलना ...सावधान!

?
ठहरो, जाओ !!
मैं..?
हां तुम! तुम्हारे चेहरे से लगता है कि तुम बैंक लूटने के बारे में सोच रहे हो, मगर तुम कामयाब नहीं होगे!!
यहां दिन-रात पहरा रहता है! पहरेदारों की ड्यूटी दोपहर, शाम और आधी रात को बदलती है, और अंदर पूरी रात आदमी रहते हैं!!
सोना एक तहखाने में रखा हुआ है जिस पर लोहे का दरवाजा है और उस दरवाजे की चाबी एक गुप्त स्थान पर लगती है..!!
टाक! टाक!
इसलिए ऐसी बात सोचो ही ना तो अच्छा है!!
जल्द ही...
मैं तो कुछ भी नहीं जान सका! पहरेदार काफी चालाक है, देखते ही मेरी नियत ताड़ गया!
कोई बात नहीं! हम इस खिड़की से पहरेदारों की गतिविधियों पर नजर रखेंगे!!
हम बारी-बारी यहां बैठेंगे, हर बात नोट करेंगे... ड्यूटी बदलने का समय भी...!
...और इस तरह दो दिन और दो रात.....
..दोनों अपनी अपनी बारी बदलते हैं....

ओबेलिक्स, हम ने उनकी ड्यूटी बदलने का समय पता कर ही लिया!

सुबह ग्यारह बजे पहरेदार फौवारे पर पानी पीने के लिए अपनी जगह से हटता है!!

ठीक उसी समय हम अपना काम करेंगे!

ओहट्टम!

देखो, हमने सारी स्कीम तैयार कर ली!

SCRATCH! SCRATCH!

CRITCH! CRITCH!

बैंक

X MOI

खिड़की

अंबोलिक्स के हम रास्ते जाएंगे

भगाए

35-A

भौंकिक्स पहरा देगा और अगर संतरी हमारे अनुमान से पहले लौट आया.. तो वह हमें सावधान कर देगा...

..तुम दरवाजा तोड़ोगे, मैं तीसरे खंभे के पीछे छिपूंगा, वहीं से अन्दर कूदूंगा..

हमें पांच मिनट के अन्दर पहरेदार के लौटने से पहले अपना काम करलेना है, इसी बीच हम कर्मचारियों से पूछताछ कर के सोने का पता लगायेंगे... समझे?

नहीं...!

तब ठीक है, तुम्हारे लिए इतना ही काफी है कि दरवाजा तोड़ कर मालउड़ा कर फूट लेंगे..!!

अब समझ गया!

टोंड्डट्टग!

गुलुप! गुलुप! गुलुप!

35-B

?
एस्ट्रिक्स, मुझे मासूम नजर आना चाहियेन?
सराय लगड़ बतख
आओ, प्यारे, दरवाजा तोड़ो!
धुम!
धड़ाक
36
चले आओ!
बैंक बंद है...!!
खबरदार! शोर मत मचाना.. सोना कहां है..?
आमतौर पर वह तहखाने में होता है, मगर...
बस!
एस्ट्रिक्स, तुम यहीं ठहरो! कोई बदतमीजी करे तो उसे ठीक कर दो.. मैं कड़ाहा भरकर आ रहा हूं!!
ठीक है!
36B

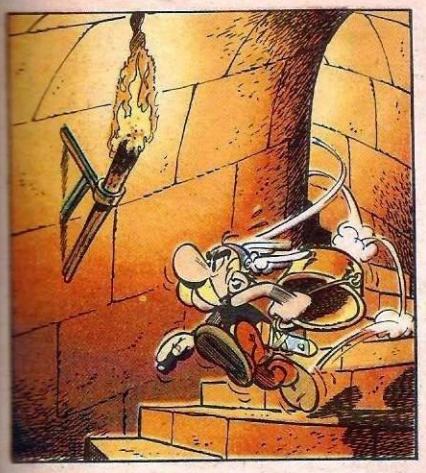

जादुई काढ़े की मेहरबानी रही तो इससे मैं एक चूंसे में खोल दूंगा!

धड़!

अरे!

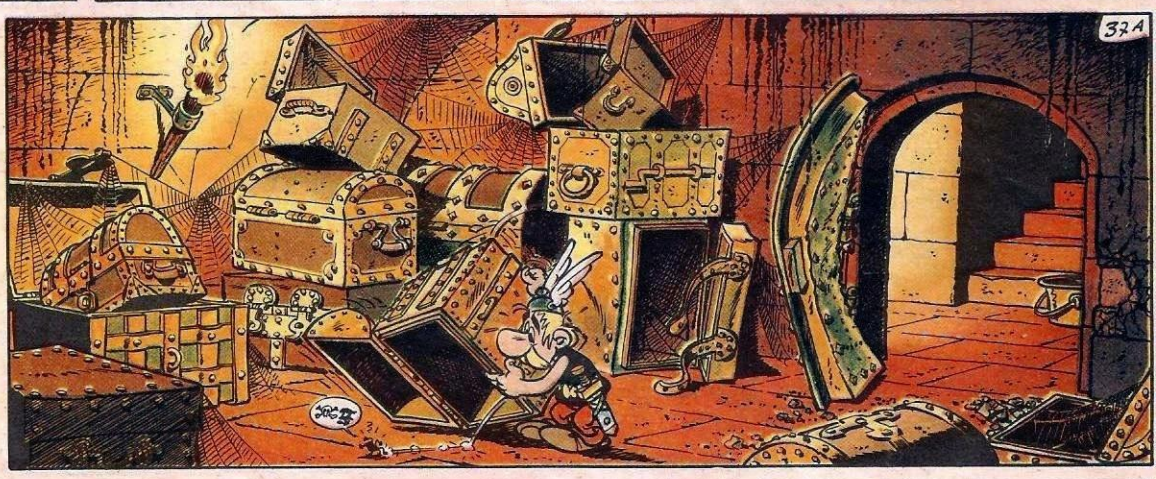
37A

वहां तुम क्या कर रहे हो? तुम्हें अगर कुछ जमा करवाना है तो ऊपर चलो!

मैं जमा करने नहीं लेने आया हूं!
ओह, मैं भी हैरान था....
ढम!

..कि कोई जमा करने कैसे आया! मगर प्यारे, यहां न तो सिक्का है, न सोना! जो कुछ था उसे जूलियस सीजर ने इमारतें बनवाने और लड़ाई लड़ने में खर्च कर दिया...

चलो, चलो... ओबेलिक्स!

और सीटी बजाना बंद करो...!!
ठीक है!
37B

बात नहीं बनी ?

नहीं !

कड़ाहा अब भी खाली है, यह अब नहीं भरेगा !

मैं इसे लेकर मुखिया बेउसूलिक्स के पास जाऊंगा और उसे बताऊंगा कि यह कड़ाहा केवल मेरे कारण खाली हुआ, इस तरह गांव की इज्जत तो बच जायेगी !

और उसके बाद मैं सदा के लिए कहीं चला जाऊंगा !

और मैं सदा के लिए तुम्हारे साथ कहीं भी जा सकता हूं !

बूहूहूहूहू उउउवूउ

जल्दी ही....

उनका कड़ाहा उन्हें वापस मिल जायेगा, बेचारे कम से कम उसमें प्याज का सालन तो बना ही सकेंगे !!

हां ! इससे उन्हें काफी राहत मिलेगी !

कानडेट

कुछ दिनों की यात्रा के बाद....

मुखिया बेउसूलिक्स का गांव आने वाला है, जंगल से परे पहाड़ की चोटी पर.....

रास्ता दो ! टैक्स कलैक्टर साहब के लिए रास्ता दो.. जूलियस सीजर के विशेष दूत को रास्ता दो !!

कड़ाहा भरने का यही आखिरी मौका है !!

गुलुप गुलुप गुलुप !

आ जाओ !

टट रा रा ला ला, टिमीं टट्ट

हटो बच्चो, रास्ता दो! टैक्स कलैक्टर के लिए रास्ता दो...!!

कहीं बैंक की तरह इसकी भी तिजोरी खाली नहो!

अभी पता किये लेता हूं..!

कृपया, सुनिये ज़रा!

कृपया दीजिये
कारण, मुझे क्यों रोका गया ----------
जुर्माना. ----------
अथवा हमें आगे बढ़ने की अनुमति ------

आप कौन हैं:
साधारण मुसाफिर ----------
मित्र. ----------
डाकू ----------

39A

अगर हवा में नजर नहीं आना चाहते तो अपना माल हमें दे दो!!

आप कौन हैं:
साधारण मुसाफिर ----------
मित्र ----------
डाकू ----------

अंतिम सूचना

हमें कोई शारीरिक कष्ट मत दीजिए
जो देना हो सीधे जुलियस सीजर को दीजिए

हमला!

शुक्र है औपचारिकताएं खत्म हुईं! मैंने तो समझा कि जिन्दगीभर पूछताछ ही चलती रहेगी!!

धड़ाम!

39

मामूली मारपीट के बाद.....

सबका काम तमाम हो गया ?

माल हमारे हवाले करो !

आप जो रकम लूट कर ले जा रहे हैं उस पर आपको टैक्स देना होगा।

पहले मुझे कड़ाहा भरना है, अगर कुछ रकम बचेगी तो टैक्स दे दूंगा !-

नोट कराइये कि आपके पास कितनी रकम है, इस लूट के बाद

मुझे अफसोस है कि पूरी रकम कड़ाहे में समा गयी, टैक्स के लिए कुछ नहीं बचा !

40A

दस्तखत करके रसीद देते जाइये।

रकम को मैं मुखिया बेउसूलिक्स के हवाले करूंगा, और उस के बाद सिर उठाकर अपने गांव वापस जा सकूंगा!

एक मिनट रुको !!

सूंग! सूंग! सूंग!

सूंघो इसे!

मगर पैसे में तो कोई महक होती नहीं !

सूंग! सूंग! सूंग! सूंग!

40B

अच्छी महक है!

बहुत अच्छी... आओ ओबेलिक्स!

मुखिया बेउसू-
-लिक्स कहां
रहते हैं?

ऊपर, ठीक
चोटी के ऊपर!

41A

मुखिया बेउसूलिक्स!
अपनी रकम
ले लो!!

रकम, कहां है
रकम?

कौन...
...तुम..??

हां, मैं! तुम्हारी
अमानत ले आया हूं! मेरा
ख्याल है कि टैक्स वाले आ
कर जा चुके होंगे!!

हां! वे आये, उन्हें
यहां रकम नहीं मिली तो चुप-
-चाप लौट गये.. बहुत-बहुत
धन्यवाद!

41B

एक
मिनट रुको!

?!

इन पैसों से सालन की बू आती है!

जब कि मैं इन्हें टैक्स वालों से छीन कर लाया हूं!

अगर इनमें से वही बू आती है जो तुम्हारे दिये हुए सिक्कों से आती थी तो ऐसा इसलिए किये **वही सिक्के** हैं!!

उस रात जब तुम हमारे गांव आये थे तब मुझे कुछ बताने के लिए एक तरफ ले गये थे-- और इसी बीच तुम्हारे कहने के मुताबिक तुम्हारे आदमी सिक्के चुरा ले गये!

??

उस रकम से तुमने टैक्स चुका दिया और रोमनों के मित्र बन गये और तुम जानते थे कि इन सिक्कों को मैं किसी तरह तुम्हें लौटाऊंगा जरूर!!

?

तुम ने टैक्स भी चुका दिया और हमें अपना देनदार भी बना लिया!

काफी समझदार हो तुम!

42A

तुम मुझे उल्लू समझते थे?

अरे, पर मुझे भी तो कुछ बताओ!

कहां हो तुम लोग?

तुम इस के आदमियों से निपटो!

ठीक है, पर मुझे यह बताना न भूलना कि मामला क्या है!

ग्रराररर

42B

मुझे यह जानने का हक तो है ही कि हम लड़ क्यों रहे हैं!!

धाड़

OUAH!

OUAH!

रुको! भाइयों से लड़ाई अच्छी नहीं होती·· ठीक है न··??
धाड़!
खास तौर से जब एक भाई दूसरे भाई से ज्यादा तगड़ा हो!!
टिंगzz!!
टौंग!!
टिणींग!!
ढुंग!!
43A
आहा! अब बोल कहां जायेगा बच कर!!
!
मेरे सिक्के मेरे सिक्के!
अब ठीक है! अपना हिसाब बराबर हो गया, आओ, तुम्हें बचा लूं·· अब किसी भाई को धोखा तो नहीं दोगे? -
मेरी रकम! पूरा कड़ाहा समुद्र में उलट गया! अब मैं क्या करूं···· ???
बूहूहूहूहूहू
चलो अबोलिक्स, अब घर चलते - - - हैं!

रकम समुद्र में नहीं बल्कि डाकुओं के उस जहाज में गिरी जो उस समय उधर से गुजर रहा था....

धड़ाम!

मैं उसे कच्चा चबा जाऊंगा जिसने मुझे यह कड़ाहा खींच कर मारा है!!

और जिन्दगी में पहली बार तथा आखिरी बार डाकुओं की किस्मत जागी

सिक्के, वे भी प्याज के सालन की खुशबू वाले..

चलो कुछ समय के लिए हम दिवालिया होने से बच गये!

गांव की इज्जत बचने की खुशी में एक शानदार दावत का आयोजन.....

मेरी समझ में तो यह बात अब तक नहीं आई कि सालन के कड़ाहे में सालन के बजाय सिक्के रखने की क्या तुक थी!?

समाप्त

UDERZO & GOSCINNY

Printed and Published by Gowardhan Kapur at Gowarsons Publishers (P) Ltd., Gulab House, Mayapuri, New Delhi-110

Edited & Posted by

PBC

at

bookscomics.blogspot.com

Scanned

by

Anurag Dixit